



राष्ट्रीय क्रेडिटि ढाँचा

प्रलिस के लयि:

राष्ट्रीय शकषा नीतल, शैकषणक क्रेडिटि बैक, नेशनल क्रेडिटि ढाँचा ।

मेन्स के लयि:

नेशनल क्रेडिटि फ्रेमवर्क (NCrF) और इसका महत्त्व ।

चर्चा में क्यौं?

हाल ही में शकषा मंत्रालय ने 'नेशनल क्रेडिटि फ्रेमवर्क' (National Credit Framework -NCrF) के एक मसौदे का अनावरण कयल, जसका उद्देश्य स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक की पूरी शकषा प्रणाली को अकादमिक 'क्रेडिटि' शासन के तहत लाना है और इसमें सार्वजनिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने की मांग की गई है ।

राष्ट्रीय क्रेडिटि ढाँचा:

- **वषिय:** राष्ट्रीय क्रेडिटि ढाँचा **राष्ट्रीय शकषा नीतल** का एक अंग है ।
 - ढाँचे के अनुसार, एक शैकषणक वरष को कसल छात्र द्वारा उपयोग कयल गए घंटों की संख्या के आधार पर परभलषत कयल जाएगा । शैकषणक वरष के अंत में प्रत्येक को तदनुसार क्रेडिटि प्रदान कयल जाएगा ।
 - जुलाई 2021 में अधसूचित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शकषा में एकेडमिक बैक ऑफ क्रेडिटिस की स्थापना और संचालन) वनियमों के तहत इसकी रूपरेखा तैयार की गई है ।
- **क्रेडिटि ससि्टम:** NCrF पर उच्च स्तरीय समतल की रपिर्ट, जसल सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है, कक्षा 5 से ही क्रेडिटि स्तर का प्रस्ताव करती है जो क्रेडिटि स्तर 1 होगा, क्रमशः स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट के साथ क्रेडिटि स्तर 7 और 8 तक जाएगा ।
 - सीखने के प्रत्येक वरष के साथ क्रेडिटि स्तर में 0.5 की वृद्धि होगी ।
- **क्रेडिटि अर्नगि:** क्रेडिटि के असाइनमेंट के लयि कुल 'नोशनल लर्नगि आवर्स इन ए ईयर' 1200 घंटे होंगे । छह महीने के प्रतल सेमेस्टर 20 क्रेडिटि के साथ प्रत्येक वरष 1200 घंटे सीखने के लयि न्यूनतम 40 क्रेडिटि अर्जत कयल जा सकते हैं । प्रत्येक क्रेडिटि 30 घंटे प्रतल क्रेडिटि सीखने के 30 घंटे के साथ आएगा ।
- NCrF के संदर्भ में सीखने के घंटे का अर्थ न केवल कक्षा में शकषण से है, बलकल सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतलवधिलयों में भी बतलया गया समय है । ऐसी गतलवधिलयों की सूची में खेल, योग, प्रदर्शन कला, संगीत, सामाजिक कार्य, एनसीसी, व्यावसायिक शकषा, साथ ही नौकरी पर प्रशकषण, इंटरनशपल शामिल हैं ।
 - **आसान प्रवेश और नकलस:** क्रेडिटि अंतरण तंत्र कसल भी छात्र/शकषार्थी को कसल भी समय, सामान्य एवं व्यावसायिक दोनों तरह के शैकषक पारसिथतलकल तंत्र में प्रवेश करने तथा बाहर नकलने में सकषम बनाएगा । ऐसे मामलों में प्राप्त कार्य अनुभव या शकषार्थी द्वारा कयल गए कसल अन्य प्रशकषण को उचित महत्त्व दलया जाता है ।
 - **सह-पाठ्यक्रम गतलवधिलयों पर उचित ध्यान देना:** नया क्रेडिटि ढाँचा कक्षा शकषण, प्रयोगशाला कार्य, कक्षा परयोजनाओं, खेल और अन्य गतलवधिलयों में प्रदर्शन को ध्यान में रखेगा, साथ ही **पाठ्यचर्या एवं सह-पाठ्यक्रम गतलवधिलयों या वभलन वषियों के बीच अंतर नहीं करेगा ।**
 - **आधार-सकषम छात्र पंजीकरण:** आधार-सकषम छात्र पंजीकरण कयल जाएगा । छात्र पंजीकरण के बाद **एक शैकषणक क्रेडिटि बैक (Academic Credit Banks)** खाता खोला जाएगा । उन खातों में डगलरी और क्रेडिटि जमा कयल जाएगा । डजललिकर जैसा नॉलेज़ लॉकर मौजूद होगा ।
 - **शैकषणक क्रेडिटि बैक:** उच्च शकषा के लयि हाल ही में शुरू कयल गए **शैकषणक क्रेडिटि बैक (Academic Credit Banks)** का वसितार सकूली शकषा से अर्जत क्रेडिटि के एंड-टू-एंड प्रबंधन की अनुमतल देने के लयि कयल जाएगा और इसमें व्यावसायिक शकषा एवं प्रशकषण भी शामिल होंगे ।
 - **महत्त्व:**
 - यह शैकषक और कौशल संस्थानों एवं कार्यबल को शामिल करते हुए 'कौशल, पुनः कौशल, अप-स्कलगि, मान्यता तथा मूल्यांकन के लयि एक छत्र ढाँचे' के रूप में काम करेगा ।

- ज्ञान प्राप्ति, व्यावहारिक प्रशिक्षण और सकारात्मक सामाजिक परिणामों का श्रेय अगले 2-3 वर्षों में 100% साक्षरता हासिल करने एवं भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दशा में महत्त्वपूर्ण कदम होगा।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सतत् विकास लक्ष्य-4 (वर्ष 2030) के अनुरूप है। यह भारत में शिक्षा प्रणाली के पुनर्गठन और पुनर्रचना का इरादा रखती है। कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (मुख्य परीक्षा, 2020)

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/national-credit-framework>

